**रजिस्टर्ड/सील्ड**

**उत्तर प्रदेश शासन**

**कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2**

**संख्या-657/2018/1092/22-2-2018-17(75)/2014**

**लखनऊ:दिनांक: 26 सितम्बर, 2018**

**आदेश**

उत्तर प्रदेश के मा0 राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी वीरेन्द्र **(बन्दी संख्या-16629) पुत्र** श्री लाखन सिंह, निवासी-ग्राम-फतेलीपुर मजरा उड़ेसरी, थाना-सिकन्द्राराऊ, जनपद-अलीगढ़ हाल जनपद-हाथरस, जिन्हें **सत्र परीक्षण संख्या-**464/1977 के अन्तर्गत भारतीय दण्ड विधान की **धारा-**302/34, 342, 323/34 के अधीन **दिनांक** 20.03.1979 को मा0 चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश, अलीगढ़ द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, की शेष सजा का परिहार करते हैं तथा यह आदेश देते हैं कि उक्त बन्दी द्वारा अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, हाथरस के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

अमर सेन सिंह
विशेष सचिव।

**संख्या-657/2018/1092(1)/22-2-2018 तद्दिनांक :**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2-जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़/हाथरस।
3-पुलिस अधीक्षक, हाथरस।
4-वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
5-कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
6-निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
7-गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(करूणेश कुमार सिंह)
उप सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in